भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1525
उत्तर देने की तारीख 13.02.2025

खादी क्षेत्र में रोजगार के अवसर

1525. श्री अ. मनि:

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खादी को एक संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल कपड़े के रूप में बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
- (ख) विगत तीन वर्षों के दौरान देश भर में विशेषकर तमिलनाडु में स्थापित नई खादी उत्पादन इकाइयों की संख्या कितनी है;
- (ग) खादी क्षेत्र में कार्यरत कारीगरों और कामगारों की संख्या कितनी है और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
- (घ) क्या युवाओं को खादी उत्पादन और उद्यमिता की ओर आकर्षित करने के लिए कोई विशेष पहल की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) खादी के विकास को बढ़ावा देने में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की भूमिका क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान केवीआईसी को कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और
- (च) क्या नए क्षेत्रों और कारीगरों को शामिल करने के लिए केवीआईसी के प्रचालन का विस्तार करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

- (क) भारत सरकार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में केवीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:
- वैश्विक मानकों के लिए बेंचमार्क डिजाइन प्रक्रियाओं की स्थापना, नए कपड़े और उत्पाद बनाने, कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रचार-प्रसार करने, नई खादी के बारे में दिलचस्प आख्यान बनाकर ब्रांडिंग और प्रचार, नए खादी उत्पादों के लिए रचनात्मक दृश्य बिक्री और पैकेजिंग तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खादी फैशन शो तथा प्रदर्शनियों का आयोजन कर राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) नई दिल्ली के साथ-साथ निफ्ट अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोलकाता और शिलांग को हब और स्पोक मॉडल पर खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।
 - घरेलू बाजारों में, केवीआई उत्पादों को सुलभ बनाने के लिए विभिन्न स्तर की प्रदर्शनियों का आयोजन करना तथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में भाग लेना।
 - क्रेता से उपभोक्ता को उत्पाद बेचने के उद्देश्य से जेम-पोर्टल (gem.gov.in) और ई-मार्केटिंग पोर्टल (www.ekhadiindia.com) के माध्यम से एमएसएमई के लिए ई-मार्केट लिंकेज के जरिये उत्पाद आपूर्ति/विपणन तंत्र की व्यवस्था की गई।
 - खादी के पारखी और डिजाइनरों दोनों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न शहरी केंद्रों और टियर-2 शहरों में खादी लाउंज की स्थापना की गई।
 - खादी उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकारी विभागों और विभिन्न सरकारी संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के थोक खरीददारों की आवश्यकताओं को पूरा करना।
 - ग्राहकों को आकर्षित करने और केवीआई उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अवसरों/त्योहारों पर विशेष छूट की घोषणा की गई है।

vii) वैश्विक स्तर पर ब्रांड 'खादी' की पहचान के संरक्षण हेतु, केवीआईसी ने 15 देशों में ट्रेडमार्क 'खादी' के लिए पंजीकरण प्राप्त किया और 31 देशों में खादी लोगो के लिए पंजीकरण प्राप्त किया है।

(ख) विगत तीन वर्षों अर्थात् वर्ष 2021-22 से वर्ष 2023-24 के दौरान तमिलनाडु राज्य में 03 नए खादी संस्थाओं सहित देश में खादी का उत्पादन करने के लिए 184 नए खादी संस्थाओं ने खादी प्रमाण-पत्र प्राप्त किया है।

(ग) खादी क्षेत्र में लगभग 4.99 लाख लोग लगे हुए हैं, जिनमें खादी कातने वाले, बुनकर, खादी कार्यकर्ता और पोस्ट-फैब्रिक उत्पादन, परिधान रूपांतरण और बिक्री गतिविधियों में शामिल अन्य कारीगर शामिल हैं। खादी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केवीआईसी द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

- i) कताई मजदूरी में 25% की वृद्धि की गई है, अर्थात् इसे 10.00/- रु. प्रति लच्छा से बढ़ाकर 12.50/- रु. प्रति लच्छा तक किया गया है तथा दिनांक 02.10.2024 से सूती खादी, ऊनी खादी और पॉलीवस्त्र के लिए बुनाई मजदूरी में 7% की वृद्धि की गई है।
- ii) संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए): एमएमडीए के अंतर्गत कपास, ऊनी, पॉलीवस्त्र के खादी संस्थाओं के मामले में, कारीगरों को एमएमडीए का 35% प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किया जाता है तथा रेशम के खादी संस्थाओं के मामले में कारीगरों को एमएमडीए का 30% प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किया जाता है।
- iii) खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड स्कीम, कारीगरों को व्यक्तिगत और समूह वर्कशेड के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती है। वर्कशेड की कुल लागत का 75% अथवा 1,20,000 रुपए तक की वित्तीय सहायता तथा ग्रुप वर्कशेड की कुल लागत का 75% या प्रति कारीगर 80,000 रुपए तक, जो भी कम हो, की वित्तीय सहायता ग्रुप वर्कशेड (न्यूनतम 5 और अधिकतम 15 कारीगर) को प्रदान की जाती है।
- iv) लेह में पश्मीना ऊन रोविंग विनिर्माण सुविधा की स्थापना: केवीआईसी ने एनएमसी के माध्यम से पश्मीना ऊनी कताई गतिविधि शुरू करने का प्रयास किया है, जिससे ऊनी कताई करने वालों के लिए अधिक आय और स्थायी रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
- v) सुंदरबन क्षेत्र के बाली द्वीप में खादी गतिविधियों का कार्यान्वयन: केवीआईसी ने स्थायी रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से खादी गतिविधियों को शुरू करने की कई पहलें की हैं, केवीआईसी ने चंद्रकांत ललित मोहन रेशम खादी समिति, खगरा मुर्शिदाबाद के माध्यम से खादी कार्यक्रम को लागू करने के लिए 50 एनएमसी (सहयोग स्कीम के अंतर्गत), 115 एनएमसी और केआरडीपी के अंतर्गत 8 करघे मंजूर किए हैं। तत्पश्चात, कताई और बुनाई की गतिविधियों को करने के लिए 75 स्पिनरों और 30 बुनकरों को कताई प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ ही, 30 स्पिनरों को समायोजित करने के लिए दो ग्रुप वर्कशेड का निर्माण किया गया है, जो उनकी गतिविधियों को करने के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान करते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से, केवीआईसी सुंदरबन के लोगों को खादी क्षेत्र में रहते हुए एक सुरक्षित आजीविका निर्मित करने में सहायता कर रहा है।
- vi) कच्चा माल बैंक: केवीआईसी ने राजस्थान के बीकानेर में मरिनो वूल बैंक की स्थापना की है और अधिक उत्पादन के दायरे को बढ़ाने के लिए राजस्थान, बिहार और झारखंड राज्य में खादी संस्थाओं की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने के लिए पटना और रांची में कोकून बैंक स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे खादी कारीगरों की आय में वृद्धि हो सके।

(घ) युवाओं को खादी उत्पादन और उद्यमिता की ओर आकर्षित करने के लिए निम्नलिखित पहलें की जा रही हैं:

- i) युवा उद्यमियों के लिए खादी क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करना आसान बनाने के लिए, खादी मार्क और खादी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सृजन किया गया, ताकि खादी क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियाँ शुरू की जा सकें।

- ii) केवीआईसी देश में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही स्कीमों को लोकप्रिय बनाने के लिए, क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है।
- iii) प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से केवीआई स्कीमों और कार्यक्रमों का प्रचार करना।
- iv) केवीआईसी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खादी उत्पादों के विपणन के लिए खादी संस्थाओं /इकाइयों को हैंड-होल्डिंग सहायता प्रदान करता है।
- v) 11 खादी उत्पादों के लिए एचएस कोड, ताकि ब्रांड संरक्षित रहे और हमारे विरासती उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर नज़र रखी जा सके।
- vi) केवीआईसी खादी संस्थाओं के 8035 'खादी इंडिया' बिक्री आउटलेट और 8 विभागीय बिक्री आउटलेट और अपनी 18 खुदरा शाखाओं के नेटवर्क और ई-मार्केटिंग के माध्यम से अपनी विपणन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है, जो देश भर में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा उत्पादित केवीआई उत्पादों की बिक्री के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है।

(ड.) खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना संसद के अधिनियम (1956 की संख्या 61) द्वारा की गई है और जिसे 1987 के अधिनियम संख्या 12 और 2006 के अधिनियम संख्या 10 द्वारा संशोधित किया गया है। आयोग का कार्य ग्रामीण विकास में लगी अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय करके ग्रामीण क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग की स्थापना तथा विकास हेतु योजना बनाना, संवर्धन करना, सुविधा प्रदान करना, संगठित करना और सहायता करना है। केवीआईसी के निम्न उद्देश्य हैं:

- सामाजिक उद्देश्य: आजीविका और रोजगार प्रदान करना।
- आर्थिक उद्देश्य: कारीगरों द्वारा बिक्री योग्य वस्तुओं का उत्पादन करना।
- व्यापक उद्देश्य: लोगों को आत्मनिर्भर बनाना।

खादी के विकास का संवर्धन करने तथा खादी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केवीआईसी द्वारा खादी विकास योजना कार्यान्वित की जा रही है। पिछले तीन वर्षों के दौरान केजीवीवाई तथा केवीवाई के अंतर्गत आवंटित धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रुपये में)			
क्र. सं.	वर्ष	केजीवीवाई के लिए आवंटित धनराशि	केवीवाई के लिए आवंटित धनराशि
1	2021-22	741.26	305.13
2	2022-23	685.51	299.13
3	2023-24	662.39	343.44

(च) केवीआईसी के कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अपने दायरे का विस्तार कर रहे हैं, घरेलू और वैश्विक बाजारों की मांगों को पूरा करने के लिए विविध प्रकार के उत्पाद और सेवाएं तैयार कर रहे हैं। नए क्षेत्रों और कारीगरों को शामिल करने के लिए केवीआईसी के प्रचालन विस्तार हेतु की जा रही पहलें निम्नानुसार हैं :

- i) केवीआईसी देश के विभिन्न हिस्सों में 40 राज्य/प्रभागीय/उप कार्यालयों, 6 क्षेत्रीय कार्यालयों, 26 विभागीय बिक्री आउटलेट और अपने शाखा कार्यालयों तथा 5 केंद्रीय स्लिवर संयंत्रों के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहा है।
- ii) खादी के संवर्धन और विकास के लिए प्रत्येक वर्ष नए केआई पंजीकृत किए गए हैं।
- iii) 35 विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों और 25 प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से पूरे देश में विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।
- iv) प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से केवीआई स्कीमों और कार्यक्रमों का प्रचार करना।
- v) केवीआईसी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खादी उत्पादों के विपणन के लिए खादी संस्थाओं /इकाइयों को हैंड-होल्डिंग सहायता प्रदान करता है, जिससे केवीआईसी के प्रचालन विस्तार में सहायता प्राप्त होती है।